खण्ड—स **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।

10. हिन्दी साहित्य के नाटक एवं अन्य विविध गद्य विधाओं पर **एक** लेख लिखिए।

11. आलोचना का स्वरूप स्पष्ट करते हुए आलोचना के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

12. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में भारतीय नारी की स्थिति का दिग्दर्शन उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

13. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए (250 शब्दों में) :

(i) नाटक में संवादों का महत्व

(ii) संस्मरण और यात्रावृत्त में अन्तर

(iii) आत्मकथा और जीवनी में अन्तर

(iv) आचार्य हजारी प्रसाद के निबन्ध

HD–03

December – Examination 2022

B.A. (Part-II) Examination

HINDI SAHITYA

हिन्दी गद्य भाग-II (नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ)

Paper : HD-03

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) नाटक की उत्पत्ति संस्कृत की किस धातु से हुई है ?

(ii) 'यात्रावृत्त' को परिभाषित कीजिए।

(iii) प्रेमचंद का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

(iv) 'घीसा' की **दो** चारित्रिक विशेषताएँ बताइये।

(v) 'अदम्य जीवन' किस विधा की रचना है ?

(vi) 'प्रसाद स्कूल' से क्या तात्पर्य है ?

(vii) 'महाभारत की साँझ' एकांकी के रचयिता का नाम लिखिए।

खण्ड—ब **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है।

2. निम्नलिखित गद्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :

''कर्म को आनन्द अनुभव करने वालों ही का नाम कर्मण्य है। धर्म और उदारता के उच्च कामों के विधान में ही एक ऐसा दिव्य आनन्द भरा रहता है कि कर्ता का वे कर्म ही के फलस्वरूप लगते हैं। अत्याचार का दामन और क्लेश का शमन करते हुए चित्त में जो उल्लास और तुष्टि होती है, वही लोकोपकारी कर्मवीर का सच्चा सुख है। उनके लिए सुख तब तक के लिए रुका नहीं रहता जब तक कि फल प्राप्त ने हो जाए बल्कि उस समय से थोड़ा-थोड़ा करके मिलने लगता है, जब से वह कर्म की ओर हाथ बढ़ाता है।''

3. निम्नलिखित गद्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :

''तुलसी हमारे जागरण के सर्वश्रेष्ठ कवि हैं। उनकी कविता की आधारशिला जनता की एकता है। मिथिला से लेकर अवध और ब्रज तक चार सौ साल से तुलसी की सरस वाणी नगरों और गाँवों में गूँजती है। साम्राज्यवादी सामंती अवशेष और बड़े पूँजीपतियों के शोषण से हिन्दी भाषी जनता को मुक्त करके उसकी जातीय संस्कृति को विकसित करना है, हमारे जातीय संगठन के मार्ग में साम्प्रदायिकता, ऊँच-नीच के भेदभाव, नारी के प्रति सामंती शासक का रुख आदि अनेक बाधाएँ हैं। तुलसी का साहित्य हमें इनसे संघर्ष करना सिखाता है।''

4. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के संवादों की विशेषताएँ बताइए।

5. 'मेरा बचपन' में अभिव्यक्त लेखक के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

6. 'महाभारत की साँझ' एकांकी की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

7. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबन्ध की विशेषताएँ बताइए।

8. 'जीवनी' विधा से क्या तात्पर्य है और इसकी रचना विधान में किन विशेषताओं का ध्यान रखना आवश्यक है ?

9. 'भोलाराम का जीव' रचना की प्रासंगिकता पर एक संक्षिप्त लेख लिखिए।